1.1) मशीन की क्षमता : किसी मशीन विशेष की कार्य करने की सामर्थ्य को मशीन घण्टों या उसकी क्षमता कहते हैं। दूसरे शब्दों में मशीन के निर्माण की दर को मशीन क्षमता कहते हैं। सामान्यतः मशीन घण्टा को मशीन पर कार्य करने के लिए उपलब्ध समय को मशीन घण्टों द्वारा व्यक्त किया जाता है उदाहरण के लिए एक मशीन की अधिकतम क्षमता 168 मशीन घण्टे प्रति सप्ताह हो सकती है।

Page:

यदि मशीन पर अतिरिक्त समय में भी कार्य किया जा रहा है तो प्रति सप्ताह इन अतिरिक्त घण्टों को सामान्य मशीन धारिता में जोड़कर नियोजित मशीन धारिता ज्ञात कर ली जाती है। मशीन धारिता ज्ञात करने के लिए निम्नांकित बातों का ज्ञान होना परमावश्यक है-

(i) मशीन के उत्पादक समय तथा अनुत्पादक समय का अनुपात।

(ii) मशीन धारिता का कुल संयन्त्र की धारिता से सम्बन्ध।

(iii) जब विभिन्न प्रक्रमों के कार्य समय भिन्न-भिन्न हो तो एक प्रक्रम का दूसरे प्रक्रम पर प्रभाव।

(iv) मशीन को निर्गम किस वजह से प्रतिबन्धित है।

विश्लेषण :- मशीन विश्लेषण निम्न प्रकार है,

(i) एक मशीन किसी पदार्थ की एकांक मात्रा पर आपरेशन करने में कितना समय लगायेगी।

(ii) किसी मशीन पर प्रतिदिन / प्रति सप्ताह / प्रति माह पदार्थ के कितने एकलों को प्रोसेस किया जा सकता है।

(iii) प्रत्येक पदार्थ पर प्रत्येक प्रक्रम के लिए प्रतिदिन संयन्त्र की अधिकतम धारिता क्या है।

इनके उत्तर निम्न प्रकार हैं,

(i) मानक डाटा से, वास्तविक प्रयास या प्रयोग से अथवा पिछले अनुभव के रिकार्ड का विश्लेषण किया जाता है।

(ii) इसे मशीनन समय तथा सेटअप समय ज्ञात होने पर तथा अनिवार्य निष्क्रिय समय के लिए पर्याप्त छूट रखते हुए दिया जाता है।